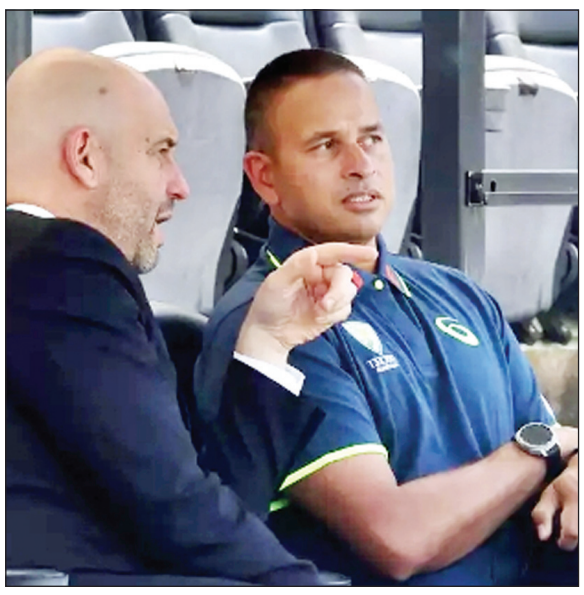


गेंद से छेड़छाड़ मामले की समीक्षा के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तय की छह सप्ताह की समय सीमा

मेलबर्न

क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान हुए गेंद से छेड़छाड़ विवाद की समीक्षा के लिए गठित स्वतंत्र मंच के संदर्भ की शर्तें जारी कर दी हैं। इस मंच के माध्यम से उस दौरे का हिस्सा रहे खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ अपने अनुभव साझा कर सकेंगे। हालांकि, क्रिकेट आस्ट्रेलिया के बोर्ड को किसी भी प्रतिभागी की व्यक्तिगत गवाही उपलब्ध नहीं कराई जाएगी। बोर्ड को केवल सामने आए प्रमुख मुद्दों और सिफारिशों वाली रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

संदर्भ की शर्तों के तहत बोर्ड को मंच के सामने रखे गए व्यक्तिगत विवरण नहीं दिखाए जाएंगे। स्वतंत्र वरिष्ठ अधिवक्ता फियोना मैकलियोड एओ एससी के नेतृत्व में चलने वाली इस प्रक्रिया की अवधि छह सप्ताह होगी। इस दौरान संबंधित लोग निजी तौर पर अपने अनुभव साझा कर सकेंगे। बोर्ड को सौंपी जाने वाली रिपोर्ट में सामने आए प्रमुख मुद्दों और सिफारिशों का उल्लेख होगा, लेकिन व्यक्तिगत गवाही या उससे जुड़े सहायक दस्तावेज शामिल नहीं होंगे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया रिपोर्ट मिलने के 30 दिनों के भीतर उसे अपनी प्रतिक्रिया के साथ पूरी तरह सार्वजनिक करेगा।

इस मंच की घोषणा उस समय की गई, जब उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा सब्र के सामने आने के बाद 2018 की घटना एक बार फिर चर्चा में आ गई। ख्वाजा ने दावा किया था कि सैंडपेपर के इस्तेमाल की जानकारी क्रिकेट आस्ट्रेलिया की ओर से दंडित किए गए तीन खिलाड़ियों से कहीं अधिक लोगों को थी। डेविड वार्नर और कैमरन बेनक्राफ्ट ने उनके बयान के कुछ हिस्सों का समर्थन किया है, जबकि पैट कमिंस और अन्य गेंदबाजों का कहना रहा है कि उन्हें इस योजना की जानकारी नहीं थी।

यह स्वतंत्र मंच 2017-18 सत्र के दौरान आस्ट्रेलियाई टीम में गेंद के रखरखाव से जुड़ी प्रक्रियाओं, दक्षिण अफ्रीका दौरे के सभी चार टेस्ट मैचों, 24 मार्च 2018 को केपटाउन में तीसरे टेस्ट के दौरान बेनक्राफ्ट से जुड़ी घटना और इस मामले में क्रिकेट आस्ट्रेलिया की ओर से की गई जांच की समीक्षा करेगा। हालांकि, मंच न तो उस जांच को दोबारा खोलेगा और न ही यह तय करेगा कि इस घटना के लिए कौन जिम्मेदार था।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने दौरे का हिस्सा रहे सभी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ-साथ उस समय के क्रिकेट आस्ट्रेलिया प्रबंधन और निदेशकों को भी इसमें शामिल होने का निमंत्रण दिया है। प्रतिभागी फियोना मैकलियोड से व्यक्तिगत रूप से या आनलाइन बातचीत कर सकते हैं। इसके अलावा वे लिखित विवरण और दस्तावेज भी उपलब्ध करा सकते हैं। इसमें भाग लेना स्वैच्छिक होगा और प्रतिभागियों को अपने साथ सहयोगी व्यक्ति या वकील रखने की अनुमति होगी।

शर्तों के अनुसार, किसी अन्य प्रतिभागी से स्पष्टीकरण मांगते समय मंच यह खुलासा नहीं कर सकेगा कि जानकारी किस व्यक्ति ने दी है, जब तक संबंधित व्यक्ति इसकी अनुमति न दे। प्रतिभागियों को बताया जाएगा कि उनकी जानकारी तक किसकी पहुंच होगी। उन्हें अपने बयान की सटीकता जांचने का अवसर भी दिया जाएगा। मंच को आस्ट्रेलियाई क्रिकेट के एथिक्स सेंटर की ओर से 2018 में की गई संस्कृति और संचालन व्यवस्था की समीक्षा रिपोर्ट के साथ-साथ मांगे गए अन्य प्रासंगिक दस्तावेजों तक भी पहुंच मिलेगी।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अध्यक्ष डेविड बून ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हम फियोना मैकलियोड एओ एससी के आभारी हैं कि उन्होंने स्वतंत्र मंच का नेतृत्व करने की सहमति दी है। इस मंच की रूपरेखा इस तरह तैयार की गई है कि दक्षिण अफ्रीका के 2018 टेस्ट दौरे पर गए सभी खिलाड़ियों और स्टाफ को अपनी बात रखने का अवसर मिल सके।

न्यूज ब्रीफ

भारत को मिली 2028 थामस एवं उबेर कप फाइनल्स की मेजबानी



नई दिल्ली। भारत को साल 2028 के लिए थामस एवं उबेर कप फाइनल्स की मेजबानी मिली है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने भारत को मेजबानी दिये जाने की घोषणा की है। यह टूर्नामेंट भारत में दूसरी बार आयोजित होगा। खास बात ये होगी ये पहला सत्र होगा जिसमें पुरुष और महिला टीम की विश्व चैंपियनशिप एक संशोधित 24-टीम प्रारूप और तीन-मैच के आधार पर खेली जाएगी। इस आयोजन से भारतीय बैडमिंटन के विकास में लाभ होगा। इसके साथ ही उभरती हुई प्रतिभाओं को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों से सीखने को मिलेगा। इससे पहले भारत में साल 2014 में नयी दिल्ली के सिरी फोर्ट खेल परिसर में इस प्रतियोगिता का आयोजन हुआ था। तब भारतीय महिला टीम ने उबेर कप में अपना पहला कांस्य पदक जीता था। इसके अलावा साल 2016 में भी इस उपलब्धि को दोहराया था। वहीं, भारतीय पुरुष टीम ने 2022 में थामस कप जीता था और 2026 में भी कांस्य पदक हासिल किया। भारत में हाल ही में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप का सफल आयोजन हुआ था जिससे पता चलता है कि देश के पास बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी की पूरी क्षमता है। बीडब्ल्यूएफ ने 2027 से अपनी प्रमुख चैंपियनशिप के प्रारूप में व्यापक बदलावों को भी मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य खेल को अधिक प्रतिस्पर्धी और व्यापक बनाना है।

सैयद मुश्ताक अली ट्राफी : सुपर लीग के लिए आठ टीमें तय, राजस्थान-पंजाब ने अंतिम दिन कटाया टिकट

मुंबई/इंदौर। सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्राफी के लीग चरण का रोमांचक समापन हुआ। अंतिम दिन मुंबई, इंदौर, मोहाली, कोलकाता और न्यू चंडीगढ़ में खेले गए 16 मुकाबलों के बाद सुपर लीग की आठ टीमें तय हो गईं। राजस्थान और पंजाब ने निर्णायक जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बनाई, जबकि बंगाल और सौराष्ट्र की चुनौती समाप्त हो गई। मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश भी खराब नेट रनरेट के कारण आगे नहीं बढ़ सके। सुपर लीग के लिए ग्रुप ए से बड़ौदा और राजस्थान, ग्रुप बी से दिल्ली और पंजाब, ग्रुप सी से आंध्र और केरल तथा ग्रुप डी से मुंबई और विदर्भ ने क्वालीफाई किया है। मुंबई और विदर्भ ने छह-छह जीत के साथ ग्रुप डी में दबदबा बनाया, जबकि आंध्र ने ग्रुप सी में शीर्ष स्थान हासिल किया। ग्रुप ए में बंगाल और राजस्थान के बीच मुकाबला वर्चुअल नाकआउट था। बंगाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 157 रन बनाए। राजस्थान के दीपक चाहर ने 13 रन देकर तीन विकेट लिए। जवाब में अभिजीत तोमर और महिपाल लोमरोर के 74-74 रनों की मदद से राजस्थान ने 16.4 ओवर में चार विकेट पर 162 रन बनाकर छह विकेट से जीत दर्ज की। इस हार के साथ बंगाल बाहर हो गया, जबकि बड़ौदा पहले ही क्वालीफाई कर चुका था। ग्रुप बी में पंजाब ने बिहार को चार विकेट से हराकर सुपर लीग में प्रवेश किया। बिहार ने सात विकेट पर 151 रन बनाए। पंजाब ने 13.1 ओवर में छह विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

आयरलैंड पहली बार पाकिस्तान दौरे पर जाएगी, तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी

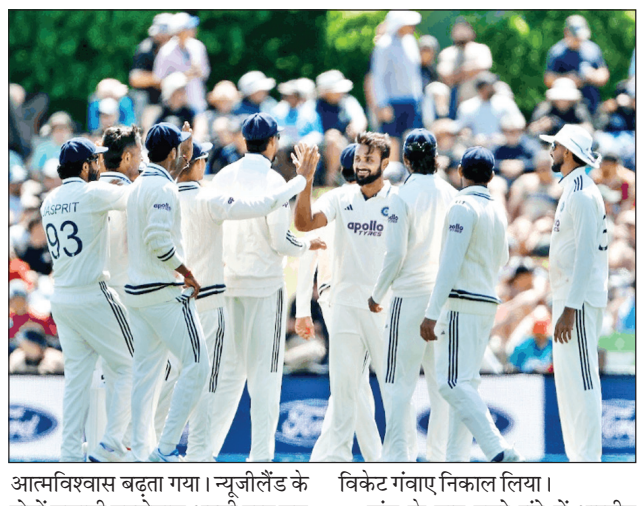


लाहौर। आयरलैंड क्रिकेट टीम पहली बार पाकिस्तान दौरे पर जाने वाली है। ये दौरान अगले साल की शुरुआत में होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी इस दौरे की पुष्टि की है। साथ ही कहा कि दोनों टीमें लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 20 से 24 जनवरी तक खेलेंगी। यह दौरा दोनों ही टीमों के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आयरलैंड टीम को इससे एकदिवसीय विश्व क्वालीफायर मुकाबलों के लिए अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। वहीं, पाकिस्तान को भी इस सीरीज से एकदिवसीय विश्वकप से पहले अपनी कमजोरियों को जानने के साथ ही सुधार का भी अवसर मिलेगा।इस दौरे में मुख्य सीरीज से पहले, आयरलैंड की टीम पाकिस्तान के हालातों को जानने के लिए 13 से 17 जनवरी तक तीन दिवसीय मैचों की एक अभ्यास सीरीज भी खेलेगी। यह सीरीज आयरलैंड के खिलाड़ियों को पाकिस्तान के मैदानों और मौसम के अनुकूल ढलने में मदद करेगी, जिससे वे मुख्य वनडे सीरीज के लिए पूरी तरह तैयार हो सकें।क्रिकेट आयरलैंड के निदेशक ग्रीम वेस्ट ने इस दौरे को लेकर कहा कि दोनों बोर्ड बीच बातचीत के बाद ही 50 ओवर के फार्मेट पर विशेष ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया गया। वेस्ट ने कहा, शुरुआत में हमने एक मल्टी-फार्मेट सीरीज की योजना बनाई थी, लेकिन बाद में दोनों बोर्ड इस बात पर सहमत हुए कि 50 ओवर के क्रिकेट से ही दोनों टीमों को सबसे ज्यादा फायदा होगा।

क्राइस्टचर्च टेस्ट : पहले दिन न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर बनाए 246 रन, लैथम और ब्लंडेल के अर्धशतक

क्राइस्टचर्च

आकाश दीप की शानदार गेंदबाजी के बावजूद टाम लैथम और टाम ब्लंडेल के अर्धशतकों की मदद से न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट पर 246 रन बना लिए। लैथम ने शीर्ष क्रम में संयमित बल्लेबाजी करते हुए पारी की नींव रखी, जबकि दोपहर के सत्र में भारत के लगातार तीन विकेट लेने के बाद ब्लंडेल ने पारी को संभाला। ब्लंडेल और ग्लेन फिलिप्स के बीच छठे विकेट के लिए हुई 62 रन की अटूट साझेदारी दिन की तीन अर्धशतकीय साझेदारियों में से एक रही। उतार-चढ़ाव भरे दिन के अंत में न्यूजीलैंड ने अच्छी स्थिति हासिल कर ली।



भारत के गेंदबाजी चुनने के बाद न्यूजीलैंड ने पहले घंटे में बिना विकेट गंवाए चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना किया। जसप्रीत बुमराह और अंशुल कंबोज ने गेंद को अच्छी स्विंग और सीम मूवमेंट दिलाई। दोनों ने कई बार बल्लेबाजों के बाहरी किनारे को छकाया। पहले बदलाव के रूप में गेंदबाजी करने आए आकाश दीप ने भी दोनों तरफ मूवमेंट हासिल कर डेवोन कानवे को परेशान किया। टाम लैथम बुमराह की गेंद पर पगबाधा के फैसले से बाल-बाल बचे। उन्होंने समीक्षा ली, जिसमें गेंद ट्रैकिंग से पता चला कि गेंद लेग स्टंप के बाहर पिच हुई थी। भारत ने कुछ मौके जरूर बनाए, लेकिन लाइन और लेंथ में निरंतरता की कमी के कारण उन्हें विकेट में नहीं बदल सका।

आकाश दीप को लैथम का विकेट मिल सकता था, लेकिन दूसरी स्लिप में केएल राहुल ने उनका बाहरी किनारा छोड़ दिया। दूसरी ओर, धीमी शुरुआत के बाद कानवे ने नियमित रूप से गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाना शुरू किया और सत्र आगे बढ़ने के साथ उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया। न्यूजीलैंड के दोनों सलामी बल्लेबाज अच्छी तरह जम चुके थे और बिना विकेट गंवाए लंच तक पहुंचने की स्थिति में दिख रहे थे। लेकिन लंच से ठीक पहले आखिरी गेंद पर पदार्पण कर रहे गुरनूर बराड़ ने कानवे को पगबाधा आउट कर दिया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने फैसले की समीक्षा ली, लेकिन गेंद ट्रैकिंग में गेंद लेग स्टंप के ऊपरी हिस्से से टकराती दिखाई दी। इस तरह न्यूजीलैंड ने 26 ओवर में एक विकेट पर 77 रन बनाकर लंच किया।

लंच के बाद न्यूजीलैंड ने लगातार रन बनाना जारी रखा। पहले टेस्ट की दोनों पारियों में शून्य पर आउट होने वाले लैथम ने इस दौरान अपना अर्धशतक पूरा किया। भारत ने लैथम के खिलाफ संभावित डीआरएस का एक मौका गंवाया। इसके अलावा जोखिम भरे एक रन के लिए दौड़े हेनरी निकोल्स को रन आउट करने का मौका भी हाथ से निकल गया। गेंद में सीम मूवमेंट जारी था और भारतीय गेंदबाज लगातार बल्लेबाजों को असहज कर रहे थे, लेकिन इन मौकों को विकेट में नहीं बदल सके। न्यूजीलैंड ने लंच के बाद का पहला घंटा बिना कोई विकेट गंवाए निकाल लिया।

लंच के बाद दूसरे घंटे में भारतीय गेंदबाजों ने कहीं अधिक आक्रामक अंदाज में गेंदबाजी की और आकाश दीप ने अगुआई की। दूसरे विकेट के लिए 33 रन जुड़ने के बाद आकाश दीप ने लैथम को विकेट के पीछे कैच कराकर साझेदारी तोड़ी। इसके बाद कंबोज ने निकोल्स को आउट किया, जो पुल शाट खेलने के प्रयास में गेंद को हवा में उछाल बैठे। बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने फिर रचिन रवींद्र को भी विकेट के पीछे कैच कराकर पवेलियन भेज दिया। एक विकेट पर 110 रन से न्यूजीलैंड का स्कोर चार विकेट पर 110 रन हो गया।

डैरिल मिचेल और टाम ब्लंडेल ने सत्र का बाकी खेल संभाला। न्यूजीलैंड ने इस सत्र में 24 ओवर में तीन विकेट गंवाकर 54 रन बनाए। इस दौरान मिचेल पगबाधा की अपील पर भी बच गए और भारत ने एक समीक्षा गंवा दी। चाय के बाद बुमराह ने दूसरे सत्र में अपनाए गए अपने थोड़े बदले हुए रन-अप के साथ गेंदबाजी जारी रखी। उन्होंने पुल शाट खेलने के प्रयास में मिचेल के दस्ताने से गेंद का संपर्क कराया, लेकिन ऋषभ पंत एक मुश्किल कैच नहीं पकड़ सके। मिचेल ने बराड़ की गेंद पर भी तीसरी स्लिप के खाली क्षेत्र से किनारा लगाकर चौका हासिल किया। दूसरी ओर, स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक नीतीश रेड्डी ने दूसरे छोर पर रन आउट का मौका गंवा दिया, जिससे ब्लंडेल को जीवनदान मिला। भारत ने वाशिंगटन सुंदर को गेंदबाजी पर लगाया, लेकिन ब्लंडेल ने उनका स्वागत दो चौकों के साथ किया। पांचवें विकेट के लिए साझेदारी 50 रन के पार पहुंच गई। इसके बाद मिचेल ने आकाश दीप की गेंद पर तीसरी स्लिप के अभाव में बाहरी किनारा लगाकर एक और चौका हासिल किया। इससे भारतीय टीम की निराशा बढ़ गई। यह साझेदारी आखिरकार वाशिंगटन सुंदर की सुनियोजित गेंदबाजी से टूटी। उन्होंने गेंद को हवा में बहाव देते हुए मिडिल और लेग स्टंप की लाइन पर गेंदबाजी की। लेग स्लिप पर क्षेत्ररक्षक तैनात था। मिचेल को उसी दिशा में शाट खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा और ध्रुव जुरेल ने शानदार कैच लपक लिया। इसके बाद ब्लंडेल और फिलिप्स ने दिन का खेल सकारात्मक अंदाज में समाप्त कराया। दोनों ने आखिरी घंटे में भारत को विकेट के लिए तरसाते हुए अटूट साझेदारी की। भारत को दूसरी नई गेंद से भी अपेक्षित सफलता नहीं मिली और न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने आकाश दीप तथा बुमराह का आसानी से सामना किया। ब्लंडेल ने अपने 50वें टेस्ट मैच में अर्धशतक पूरा किया।

न्यूजीलैंड ने आखिरी सत्र में 35 ओवर में केवल एक विकेट गंवाकर 115 रन जोड़े और दिन का खेल समाप्त होने तक पांच विकेट पर 246 रन बना लिए।

संक्षिप्त स्कोर: न्यूजीलैंड पहली पारी 246/5 (टाम लैथम 59, टाम ब्लंडेल नाबाद 53, ग्लेन फिलिप्स नाबाद 36; आकाश दीप 2/52) बनाम भारत।

प्रो रेसलिंग लीग का छठा सत्र 3 जनवरी से, 30 नवंबर को होगी नीलामी



नई दिल्ली

प्रो रेसलिंग लीग का छठा सत्र 3 से 19 जनवरी तक होगा। वहीं इसके लिए नीलामी इसी माह 30 नवंबर को होग। प्रो रेसलिंग लीग की नियामक एजेंसी पीडब्ल्यूएल ने कहा कि लीग मुकाबलो का आयोजन केडी जाधव स्टेडियम में किया जाएगा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की निगरानी में आयोजित होने वाली इस लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी में दुनिया के शीर्ष पहलवान शामिल होंगे।इस सत्र में कुल छह फ्रेंचाइजी टीमें खिताब के लिए जोर आजमाइश करेंगी। इनमें टाइगर्स आफ मुंबई दंगल्स, हरियाणा थंडर, दिल्ली दंगल वारियर्स, महाराष्ट्र केसरी, पंजाब रायल्स और यूपी डोमिनेटर्स शामिल हैं। यह प्रतियोगिता कुल नौ ओलंपिक भार वर्गों में आयोजित की जाएगी, जिसमें पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए स्पर्धाएं होंगी। पुरुष वर्ग में 57 किलोग्राम, 65 किलोग्राम, 74 किलोग्राम, 86 किलोग्राम और 125 किलोग्राम भार वर्ग शामिल हैं, जबकि महिला वर्ग में 53 किलोग्राम, 57 किलोग्राम, 62 किलोग्राम और 76 किलोग्राम भार वर्ग होंगे।

आयोजकों ने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती कैलेंडर के साथ तालमेल बिठाने के लिए कार्यक्रम में संशोधन भी किया है। विश्व कुश्ती की सर्वोच्च संस्था, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) द्वारा अपने कैलेंडर में किए गए हालिया बदलावों के बाद यह फैसला लिया गया, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि लीग किसी भी अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा से न टकराए और देश-विदेश के सर्वश्रेष्ठ पहलवान बिना किसी बाधा के इसमें भाग ले सकें। अब मुंबई में 30 नवंबर को होने वाली नीलामी पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। उम्मीद है कि इस सत्र में ओलंपिक और विश्व पियनशिप के पदक विजेताओं सहित कुश्ती जगत के कई दिग्गज शामिल होंगे। इस बार नीलामी में रिकार्ड तोड़ बोली लगने की संभावना है, जो कुश्ती प्रेमियों और फ्रेंचाइजी दोनों के लिए रोमांचक होगी। पिछले सत्र में जापान की दिग्गज युई सुसाकी को 60 लाख रुपये में खरीदा गया था, जो पीडब्ल्यूएल के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी बोली थी। भारतीय पहलवानों में अमन सहरावत, अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल जैसे सितारों पर पिछली बार 50 लाख रुपये से अधिक की बड़ी बोलियां लगी।

छह फ्रेंचाइजी टीमें खिताब के लिए उतरेंगी

हितेश चौहान ने विश्व रैंकिंग में ऊंची रैंकिंग वाले निकोला को हराकर किया उलटफेर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: अरेरा क्लब में आयोजित एम25 आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर टूर्नामेंट में गुरुवार को राउंड ऑफ 16 के मुकाबले खेले गए। भारत के हितेश चौहान (विश्व रैंकिंग 1437) ने बड़ा उलटफेर करते हुए स्विट्जरलैंड के निकोला (रैंकिंग 1072) को हराया। वहीं शीर्ष वरीय करण सिंह ने मकर क्रिवोशचेकोव को 6-2, 6-3 से शिकस्त दी।

दिन का सबसे लंबा मुकाबला चिराग दुहन और आदिल कल्याणपुर के बीच हुआ। तीन घंटे 46 मिनट चले इस मुकाबले में सातवीं वरीयता प्राप्त चिराग ने 7-6(9), 6-7(7), 6-2 से जीत दर्ज की। अन्य मुकाबलों में विलियम रेच्टमैन, ग्रिगोरी लोमाकिन, शशिकुमार मुकुंद, मनीष सुरेशकुमार और देव जाविया ने भी जीत हासिल की। शुक्रवार को करण सिंह का मुकाबला लोमाकिन और हितेश चौहान का मुकाबला चिराग दुहन से होगा। टूर्नामेंट में 30 हजार डॉलर की इनामी राशि दांव पर है।



भोपाल के 10 साइक्लिंग खिलाड़ियों का राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: रीवा में 20 नवंबर को आयोजित राज्य स्तरीय रोड बाइक साइक्लिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले भोपाल के 10 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। प्रतियोगिता 26 से 30 दिसंबर तक कोयंबटूर (तमिलनाडु) में आयोजित होगी। चयनित खिलाड़ियों में एलाइट महिला वर्ग से आद्या सिंह, अंडर-23 पुरुष वर्ग से पुलत्स्य गोस्वामी, जतिन अहिरवार और अक्षत नेवारे, अंडर-18 बालक वर्ग से राजवीर तिवारी, अंडर-16 बालक वर्ग से अल्तेर अली और राज हंडे, अंडर-16 बालिका वर्ग से तनिष्क सिंह तथा अंडर-14 बालिका वर्ग से अनुष्का हिंगोनकर और आरोही रायकवार शामिल हैं। प्रतियोगिता में दल प्रबंधक मानव अग्निहोत्री थे। खिलाड़ियों की सफलता पर बीडीसीए पदाधिकारियों और ग्रीन प्लैनेट बाइसिकल राइडर्स एसोसिएशन के सदस्यों ने बधाई देते हुए राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

बोस्टन मैराथन के धावक बेग्स और डी ओलिवेरा को मिला अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले पुरस्कार

नई दिल्ली

बोस्टन मैराथन के धावक आरोन बेग्स और राबसन डी ओलिवेरा को अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले पुरस्कार के लिए चुना गया है। दोनों धावकों ने इस वर्ष विश्व एथलेटिक्स की प्लेटिनम लेबल रोड रेस के दौरान एक अन्य धावक की मदद कर उसे दौड़ पूरी करने में सहयोग दिया था। उनके इस निस्वार्थ कार्य के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया है।विश्व एथलेटिक्स ने उक्त जानकारी दी।

इस वर्ष की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले समिति (सीआईएफपी) ने विश्व एथलेटिक्स के साथ साझेदारी में दुनियाभर के खेल प्रशंसकों को ऐसे क्षणों के नामांकन के लिए आमंत्रित किया था, जो खेल भावना और निष्पक्ष खेल का बेहतरीन उदाहरण पेश करते हों। इसका उद्देश्य किसी एक उत्कृष्ट खिलाड़ी या खास क्षण को सम्मानित करना था।

नामांकनों की समीक्षा के लिए एक निर्णायक मंडल गठित किया गया। इसके बाद विश्व एथलेटिक्स के सोशल मीडिया माध्यमों के जरिए प्रशंसकों ने चुने गए क्षणों में से उस पल के लिए मतदान किया, जिसे वे निष्पक्ष खेल की भावना का सबसे अच्छा उदाहरण मानते थे। प्रशंसकों के मतों को निर्णायक मंडल के सदस्यों के मतों के साथ जोड़कर विजेता का फैसला किया गया। इसमें बोस्टन में बेग्स और डी ओलिवेरा द्वारा अजय हरिदासे की मदद करने वाले क्षण को विजेता चुना गया।

हरिदासे दौड़ के दौरान गिर गए थे और उठ नहीं पा रहे थे। सबसे पहले बेग्स ने रुककर उन्हें जमीन से उठाया। हरिदासे को अब भी अपने पैरों पर खड़े रहने में परेशानी हो रही थी। ऐसे में डी ओलिवेरा भी मदद के लिए आगे आए। दोनों ने हरिदासे को अपनी बांहों का सहारा दिया और उन्हें फिनिश लाइन तक पहुंचाया। इस मदद के लिए दोनों ने अपना सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत समय हासिल करने का अवसर भी छोड़ दिया।

बेग्स ने कहा, यह पुरस्कार जीतना मेरे लिए अविश्वसनीय है। जब हमें पहली बार नामांकन के बारे में पता चला, तो मैंने सपने में भी नहीं सोचा था



कि हम इसे जीतेंगे। हमारा मुकाबला विश्वस्तरीय शीर्ष खिलाड़ियों से था। हालांकि यह पुरस्कार राबसन और मुझे मिल रहा है, लेकिन इसका श्रेय अजय को भी दिया जाना चाहिए। जिस क्षण मैं उनके पास मदद के लिए पहुंचा, उसी समय से मैराथन पूरी करने के लिए उनका दृढ़ संकल्प और साहस अद्भुत था। जब मैं अजय की मदद के लिए गया, तो यह स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी। मैंने बिना कुछ सोचे उनकी मदद के लिए दौड़ लगा दी। उस क्षण मुझे बस इतना पता था कि मुझे अपने साथी धावक की मदद करनी है। मेरा मानना है कि यह अच्छी परवरिश और जीवन के अनुभवों से आता है। इसमें ब्रिटिश सेना के मूल्य और मानक भी शामिल हैं। इसलिए इसका श्रेय मेरे परिवार और मेरे जीवन से जुड़े लोगों को जाता है।

तीन अजनबी, तीन अलग-अलग महाद्वीप और अब जीवनभर के दोस्त - डी ओलिवेरा ने भी बेग्स की बातों से सहमति जताई। उन्होंने कहा, उस दौड़ के दौरान मुझे पता था कि मैं अकेले यह नहीं कर पाऊंगा। लेकिन जब मैंने आरोन को देखा, तो मुझे लगा कि मेरी प्रार्थना का जवाब मिल गया है। जहां तक अपना सर्वश्रेष्ठ समय गंवाने की बात है, तो मैं जानता था कि समय महज एक संख्या है। उस क्षण सहानुभूति दिखाना और अजय की मदद करना ही सही काम था। अजय भी उतने ही श्रेय के हकदार हैं। उन्होंने उस दिन अद्भुत ताकत और धैर्य दिखाया। मैराथन पूरी करने के लिए संघर्ष करते हुए उन्होंने आगे बढ़ते रहने की ताकत जुटाई। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा, मुझे खुशी है कि हमारा खेल निष्पक्ष खेल और आपसी सौहार्द के ऐसे सार्वजनिक क्षणों को लगातार पहचान दे रहा है। अपनी ही दौड़ के प्रयासों के प्रभावों से जूझते हुए किसी अन्य धावक की इस तरह मदद करना सच्ची खेल भावना की पहचान है। अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले समिति के अध्यक्ष सुनील सभरवाल ने कहा, खेल उन लोगों का उत्सव मनाता है, जो मानवीय प्रदर्शन की सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं। निष्पक्ष खेल उन लोगों का सम्मान करता है, जो मानवीय व्यवहार के मानकों को ऊंचा उठाते हैं। वर्ष 2003 से विश्व एथलेटिक्स के साथ हमारी साझेदारी यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि इन दोनों को उनका उचित सम्मान मिले। हम इस वर्ष के असाधारण नामांकित लोगों की सराहना करते हैं और विजेताओं को हार्दिक बधाई देते हैं। अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले समिति अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से मान्यता प्राप्त संगठन है। इसकी स्थापना 1963 में यूनेस्को और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल शासी निकायों ने की थी। छह दशकों से अधिक समय से यह समिति खेल नैतिकता की वैश्विक संरक्षक के रूप में काम कर रही है।